Regarding wild animal menace in Yavatmal and Washim districts in Maharashtra-Laid

श्री संजय उत्तमराव देशमुख **(**यवतमाल**-**वाशिम**) :** यवतमाल-वाशिम जिले के किसान गम्भीर संकट का सामना कर रहे हैं । नीलगाय, जंगली सुअर और तेंदुओं के हमलों के कारण फसलों का भारी नुकसान हो रहा है । किसान दिन रात अपने खेतों की रक्षा कर रहे हैं, फिर भी उनकी मेहनत पर पानी फिर रहा है । इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को तत्काल ठोस कदम उठाने चाहिए ।

नुकसान की मात्रा दिन-ब-दिन बढ़ रही हैष कपास, सोयाबीन तथा चना जैसी फसलें नष्ट हो रही हैं । कई किसान घायल हो रहे हैं तो कुछ को अपनी जान तक गंवानी पड़ रही है । नुकसान की भरपाई के लिए किसानों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं लेकिन न्याय नहीं मिलता । सरकार को तुरंत निम्नलिखित उपाय करने चाहिए:-

1 वन्यजीवों की संख्या को नियंत्रित करने के लिए वैज्ञानिक योजना बनाई जाए ।

2 नुकसान की भरपाई तुरंत और सीधे किसानों के खाते में जमा की जाए ।

3 जंगल से सटे खेतों की सुरक्षा की तारबंदी हेतु सरकार विशेष निधि प्रदान करें ।

4 वन्यजीवों को जंगल में स्थानांतरित करने के लिए एक विशेष योजना चलाई जाए ।